गैरसैंण, सोमवार
10 नवम्बर 2025
वर्षः 17
अंकः 179 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अगस्त्यमुनि में भालू के हमले में दो महिलाएं घायल

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि क्षेत्र के बनियाड़ी गांव में रविवार सुबह घास काट रही महिला पर भालू ने हमला कर दिया। बीच बचाव करने गई दूसरी महिला भी घायल हो गई। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना है। लोगों ने वन विभाग से शीघ्र भालू को दूर जंगल में भगाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह 10 बजे अगस्त्यमुनि नगर क्षेत्र से लगे बनियाड़ी गांव में घास काटने गई 50 वर्षीय मीना देवी, पत्नी आनंद सिंह नेगी पर भालू ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जबकि मीना देवी की मदद करने के लिए गई दूसरी महिला लक्ष्मी देवी पत्नी राजेंद्र सिंह भी बीच बचाव करते हुए घायल हो गई। किसी तरह दोनों महिलाओं ने बहादुरी दिखाते हुए अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि भालू झाड़ियों में बैठा था और मौका पाते ही भालू महिला पर हमला करने धमक गया। खबर मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों घायल महिलाओं को तत्काल राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी अगस्त्यमुनि हरिशंकर रावत अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से नियमानुसार घायलों को मुआवजा देने की कार्यवाही की जाएगी। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में भालू की बढ़ती गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र गोस्वामी व स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है, साथ ही भालू को जंगल में भगाने की मांग की है, जिससे दोबारा इस तरह की घटनाएं न हो सके।

जिले में महसूस किए गए भूकंप के झटके

बागेश्वर। जिले में भूंकप के झटके महसूस किए गए। जिसकी तीव्रता 3.6 थी, लेकिन अभी तक कहीं से नुकसान की पुष्टि नहीं है। जिला आपदा विभाग के अनुसार रविवार को दिन में 2.40 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह अक्षांशः 30.02 उत्तर, देशांतरः 79.95 पूर्व तथा गहराईः 10 किमी थी। इसका क्षेत्र बागेश्वर था। लोग आमतौर पर घरों से बाहर थे। अधिकतर लोग खेतों में काम पर जुटे हुए थे। रविवार होने के कारण कामकाजी लोग घरों पर ही थे। वह घरों की छतों पर बैठकर धूप सेक रहे थे। एकाएक धरती डोलने से वह भयभीत हो गए। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शिखा सुयाल ने बताया कि भूकंप का केंद्र कपकोट का सलिंग गांव था। अभी तक कहीं से किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

बागेश्वर। बैजनाथ कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतका के भाई ने बहन की मौत को हत्या बताया। पुलिस से मामले की जांच की मांग की। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देवनाई घाटी के भिटारकोट निवासी 34 साल की दीपा देवी पत्नी सुरेश सती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने मृतका के मायके में घटना की सूचना दी। सूचना के बाद उसका भाई भुवन जोशी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बहन की मौत के लिए जीजा को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व उन्हें बहिन के स्वास्थ्य खराब होने की सूचना मिली थी, लेकिन जब वह अस्पताल पहुंचे उसका पति उसे घर ले जा चुका था। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच की। इधर, मृतका के पति सुरेश सती ने आरोपों को निराधार बताया है। कहा कि उनकी पत्नी की मौत पेट में दर्द के कारण हुई है। इधर कोतवाल अनिल उपाध्याय ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच की जा रही है। मृतका अपने पीछे एक पुत्र और पुत्री को छोड़ गई है। मौत के बाद मायके पक्ष का रो रो कर बुरा हाल है। मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया था। इस कारण पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामला राजस्व पुलिस का है।

नौ नवंबर का दिन उत्तराखंडवासियों के लिए तपस्या का फल -मोदी

●प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपलब्धियों को सराहते हुए, भविष्य का रोडमैप प्रस्तुत किया● वर्ष 2047 वाले उत्तराखंड के लिए रास्ता तय करते हुए बिना इंतजार आगे बढने की अपील● केंद्र सरकार से राज्य को पूरा सहयोग का भरोसा दिया, 8260 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास–लोकार्पण

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस, रजत जयंती पर्व के मुख्य समारोह में लिए रविवार को देहरादून पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 8260 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास–लोकार्पण किया। उन्होने उत्तराखंड की गत 25 वर्षों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए, अगले 25 वर्षों के लिए रोडमैप के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। एफआरआई परिसर में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गढ़वाली–कुमांउनी में प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि, नौ नवंबर का दिन उत्तराखंड वासियों की लंबी तपस्या का फल है। ये दिन प्रत्येक उत्तराखंडवासी को गर्व का अहसास कराता है। प्रधानमंत्री ने राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही, सभी आंदोलनकारियों को भी नमन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 25 साल पहले केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने, जिन उम्मीदों, आकांक्षाओं के बीच उत्तराखंड राज्य का निर्माण किया आज वो सभी सपने पूरे हो रहे हैं। उन्होंने उत्तराखंड से अपने लगाव को व्यक्त करते हुए कहा कि, जब वो अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर यहां आते थे तो पहाड़ों पर रहने वाले भाई – बहनों का संघर्ष और परिश्रम उन्हें प्रेरित करता था, यहां बिताए दिनों ने उन्हें उत्तराखंड की सामर्थ से परिचय कराया। इसी भरोसे के साथ उन्होंने बाबा केदार के दर्शन के बाद कहा था कि ये दशक उत्तराखंड का होगा। अब उनका ये भरोसा और भी दृढ़ हो गया है कि इस वक्त उत्तराखंड के उत्कर्ष का कालखंड चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 25 साल पहले, जब नया–नया उत्तराखंड बना था तो उस वक्त कई चुनौतियां थी, राज्य के संसाधन सीमित थे, बजट भी छोटा था, आय के स्त्रोत भी कम थे। तब ज्यादातर जरूरतें केंद्रीय सहायता से पूरी होती थीं। लेकिन आज, तस्वीर पूरी तरह बदली हुई है। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले उत्तरखंड का बजट सिर्फ 04 हजार करोड़ रुपए था, जो आज बढ़कर एक लाख करोड़ के पार चला गया है। 25 साल में राज्य का बिजली उत्पादन, चार गुना बढ़ा, सड़कों की लंबाई दोगुनी हुई है। राज्य गठन के समय छह महीने में चार हजार यात्री ही हवाई सेवाओं का इस्तेमाल कर पाते थे, आज यहां अकेले एक दिन में चार हजार से अधिक यात्री हवाई सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। इन 25 वर्षों में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 10 से ज्यादा बढ़ी है। तब राज्य में एक मेडिकल कॉलेज था, जो आज 10 हो चुके हैं। 25 साल पहले राज्य का वैक्सीन कवरेज 25 प्रतिशत भी नहीं, आज हर गांव वैक्सीन कवरेज के दायरे में है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने रविवार को ही समारोह स्थल पर, कई युवाओं, उद्यमियों से बात की है, वो सभी राज्य की प्रगति को लेकर उत्साहित और आशान्वित हैं। इससे साफ है कि उत्तराखंड का प्रत्येक नागरिक, अपने योगदान से भारत को विकसित देश की पंक्ति शामिल करने के लिए तैयार है। उन्होंने रविवार को शुरू किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं, उत्तराखंड की विकास यात्रा को गति देने का काम करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार सेब–कीवी के किसानों को अब डिजिटल करेंसी में अनुदान दे रही है। इस आधुनिक तकनीकी से आर्थिक मदद की ट्रैकिंग संभव है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का कनेक्टिवी से गहरा नाता है। राज्य में इस समय दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना प्रगति पर है, दिल्ली– देहरादून एक्सप्रेस वे तैयार हो चुका है। गौरीकुंड–केदारनाथ, गोविंदघाट–हेमकुंड साहिब रोपवे का शिलान्यास हो चुका है। ये सभी परियोजनाएं उत्तराखंड में विकास को नई गति दे रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने गत 25 वर्षों में विकास की लंबी यात्रा तय की है, लेकिन अब राज्य को अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय करना है। इसके लिए राज्य को जहां चाह–वहां राह के मूल मंत्र अपनाना होगा। इसलिए अपने लक्ष्यों पर चर्चा के लिए नौ नवंबर से बेहतर दिन और क्या होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अगर ठान ले तो अगले कुछ ही वर्षों में खुद को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर स्थापित कर सकता है। यहां के पवित्र मंदिर, आश्रम, योग को ग्लोबल नेटवर्क से जोड़ा जा सकता है। यहां हर विधानसभा क्षेत्र में योग केंद्र विकसित किए जाने की जरूरत है। इसी तरह वाइब्रेंट विलेज को छोटे–छोटे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब पर्यटक यहां होमस्टे के घरेलू माहौल में डुबके, चुटकानी, रोट, अरसा और झंगोरा की खीर खाएंगे तो तो फिर दूसरी–तीसरी बार भी यहां आना चाहेंगे।

पीएम मोदी की उपस्थिति में नैनी सैनी हवाई अड्डे, पिथौरागढ़ के अधिग्रहण हेतु एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आज भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (अअक) और उत्तराखंड सरकार के बीच पिथौरागढ़ स्थित नैनी सैनी हवाई अड्डे के अधिग्रहण के लिए समझौता ज्ञापन (टङ्कव) पर हस्ताक्षर किए गए। यह ऐतिहासिक समझौता उत्तराखंड के पर्वतीय अंचल में सुगम, सुरक्षित और टिकाऊहवाई संपर्क की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नैनी सैनी हवाई अड्डे का कुल क्षेत्रफल लगभग 70 एकड़ है। यहां का टर्मिनल भवन व्यस्त समय में 40 यात्रियों को सेवा प्रदान करने में सक्षम है। साथ ही, एप्रन एक समय में दो विमानों (कोड–2इ) को समायोजित करने की सुविधा से सुसज्जित है। इस अधिग्रहण से हवाई अड्डे के मौजूदा बुनियादी ढांचे का उन्नयन, परिचालन मानकों का सुव्यवस्थित प्रबंधन, तथा उत्तराखंड की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा।

रजत जयंती के मुख्य कार्यक्रम में उत्तराखंड से गहरा लगाव कनेक्ट कर गए प्रधानमंत्री

– इससे पहले अपने किसी भाषण में पीएम ने नहीं बोली इतनी अधिक गढ़वाली कुमाऊनी

देहरादून। सिर पर पहाड़ी टोपी और भाषण में जगह–जगह गढ़वाली कुमाऊनी बोली। उत्तराखंड के रजत जयंती के मुख्य कार्यक्रम में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर अंदाज पहाड़ीपन से घुला–मिला दिखा। उन्होंने गढ़वाली कुमाऊनी के कई–कई वाक्य बोले। वो भी कई बार। अक्सर प्रधानमंत्री उत्तराखंड के कार्यक्रमों में पहाड़ी बोली–भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, मगर आज के भाषण में उन्होंने जितनी गढ़वाली कुमाऊनी बोली, उतनी कभी नहीं बोली थी। ये ही वजह रही, कि उत्तराखंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस बार और भी गहरा कनेक्ट महसूस किया। प्रधानमंत्री ने अपने चिर–परिचित अंदाज में भाषण की शुरूआत की और कहा–देवभूमि उत्तराखंड का मेरा भै बंधु, दीदी, भुलियों, दाना सयानो, आप सबू तई म्यारू नमस्कार। पैलाग, सैंवा सौंली। अपने भाषण के बीच में प्रधानमंत्री ने जब फिर से गढ़वाली में बोलना शुरू किया, तो इसने लोगों को और रोमांचित कर दिया। प्रधानमंत्री बोले–पैली पहाडू कू चढ़ाई, विकास की बाट कैल रोक दी छै। अब वखि बटि नई बाट खुलण लग ली। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण मे पहाड़ के लोक पर्वों, लोक परंपराओं और महत्वपूर्ण आयोजनों को भी शामिल किया। इस क्रम में उन्होंने हरेला, फुलदेई, भिटोली, नंदादेवी, जौलजीबी, देवीधुरा मेले से लेकर दयारा बुग्याल के बटर फेस्टिवल तक का जिक्रकिया।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती अवसर पर किया विशेष डाक टिकट का विमोचन

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती समारोह के अवसर पर आज देहरादून आगमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड डाक परिमंडल द्वारा राज्य के प्रमुख तीर्थ स्थलों एवं सांस्कृतिक प्रतीकों पर आधारित विशेष डाक टिकट श्रृंखला का विमोचन किया। इस विशेष डाक टिकट श्रृंखला के माध्यम से देवभूमि उत्तराखंड की धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान की गई है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत राज्य के 28,000 से अधिक किसानों के बैंक खातों में 62 करोड़ से अधिक की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से जारी की। इस पहल से राज्य के किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं फसल क्षति से सुरक्षा का लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ पर आधारित एक विशेष प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

"विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड" के मंत्र पर चल रहा उत्तराखंड : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती पर्व की बधाई देने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का स्वागत करते हुए कहा कि ये हम सभी उत्तराखंड वासियों का सौभाग्य है कि इस ऐतिहासिक अवसर पर हमें यशस्वी प्रधानमंत्री जी का सानिध्य प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शास्त्रों में भी कहा गया है...''राजा धर्मस्य कारणम्''. यानि राजा ही धर्म का कारण और रक्षक होता है, जब राजा धर्मपरायण होता है, तब राज्य में सबका कल्याण होता है। ये सूत्र वाक्य आदरणीय प्रधानमंत्री जी, के दिव्य, प्रेरणादायी और कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व का साक्षात प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं ने ऑपरेशन सिन्दूर में दुश्मन को कड़ा सबक सिखाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा पुष्पित–पल्लवित उत्तराखंड, वर्ष 2047 तक ''विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड'' के मंत्र पर चलते हुए, एक समृद्ध और आत्मनिर्भर प्रदेश बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। साथ ही प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादाई नेतृत्व में उत्तराखंड ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, –20 सम्मेलन की बैठकों सहित 38वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य आयोजनों द्वारा भी बदलते उत्तराखंड की सुनहरी तस्वीर विश्व पटल पर प्रस्तुत की है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि केदारनाथ त्रासदी, सिलक्यारा टनल हादसा, जोशीमठ भूधंसाव या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रधानमंत्री जी ने संवेदनशीलता के साथ उत्तराखंड की जनता का साथ दिया है। प्रधानमंत्री जी के इसी स्नेहपूर्ण सहयोग और मार्गदर्शन से उत्तराखंड कठिनाइयों से उबरकर एक नई शक्ति, नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आज आगे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के साथ–साथ राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता, पारंपरिक पहचान और डेमोग्राफिक संतुलन को संरक्षित रखने के लिए भी कार्य कर रही है। इसी क्रम में समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगारोधी कानून, मदरसा बोर्ड की समाप्ति जैसे कार्यों से उत्तराखंड एक समरस समाज के निर्माण की दिशा में अग्रसर है।

पीएनबी घोटाला : भगोड़े मेहुल चोकसी पर बड़ा शिकंजा

46 करोड़ के फ्लैट–चांदी होंगे नीलाम

मुंबई , पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी और भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी पर प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा कसता जा रहा है। मुंबई की एक विशेष क्क्ररू कोर्ट ने चोकसी की कंपनी गीतांजलि जेम्स से जुड़ी 13 असुरक्षित संपत्तियों की नीलामी को मंजूरी दे दी है। इन संपत्तियों की कीमत लगभग 46 करोड़ रुपये आंकी गई है।

क्या–क्या होगा नीलाम?

अदालत द्वारा नीलामी की अनुमति दी गई इन संपत्तियों में मुंबई स्थित कई प्रमुख रियल एस्टेट संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें बोरीवली के चार आवासीय फ्लैट, बांद्रा–कु र्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित भारत डायमंड बोर्स का एक कार्यालय परिसर और गोरेगांव पूर्व में चार औद्योगिक इकाइयां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जयपुर विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में रखी चांदी की ईंटों, अर्ध–कीमती पत्थरों और आभूषण बनाने वाली मशीनों का भी मूल्यांकन कर उन्हें नीलाम किया जाएगा।

लिक्विडेटर की अर्जी पर कोर्ट का फैसला

यह आदेश राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा नियुक्त गीतांजलि जेम्स के परिसमापक शांतनु रे की अर्जी पर आया है। रे ने ईडी द्वारा कुर्क की गई इन संपत्तियों के निपटान की अनुमति मांगी थी। ईडी ने भी अदालत को सूचित किया कि उसे इस प्रस्तावित मूल्यांकन और बिक्री पर कोई आपत्ति नहीं है।

नीलामी की रकम का क्या होगा?

विशेष न्यायाधीश एवी गुजराती ने 4 नवंबर के अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं संपत्तियों की नीलामी की जा सकती है, जिन पर सुरक्षित लेनदारों का दावा नहीं है।

हाईवे किनारे खंती में मिला युवक का शव

रुद्रपुर। मलपुरी में हाईवे किनारे एक खंती में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्राम सरकड़ा निवासी दीपक ने बताया कि वह चीनी मिल के पास स्थित दुकान में काम करता है। रविवार को जब वह दुकान पर था, तभी लोगों से उसे मलपुरी में शव मिलने की जानकारी मिली।

घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि शव उसके भांजे 32 वर्षीय आकाश पुत्र ओम प्रकाश का है, जो सरकड़ा में अपने परिवार के साथ रहता था। आकाश सरकड़ा स्थित एक पेट्रोल पंप में कार्यरत था। रविवार सुबह आठ बजे वह साइकिल से ड्यूटी के लिए निकला था, लेकिन वहां नहीं पहुंचा। रास्ते में किसी अज्ञात कारण से उसकी मौत हो गई। परिवार में मां, पत्नी और तीन बेटिया हैं।

जम्मू–कश्मीर पुलिस विभाग में ही छिपे थे गद्दार

आतंकियों से लिंक के आरोप में 2 पुलिस अधिकारी बर्खास्त, मचा हड़कंप

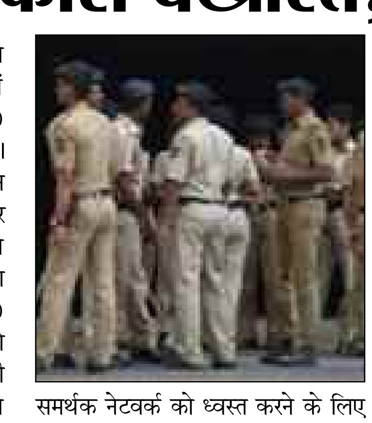

जम्मू , जम्मू–कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकवादियों से संबंधों के आरोप में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं, सोपोर में लगातार दूसरे दिन ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और आतंकी सहयोगियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। कठुआ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहिता शर्मा ने तत्काल प्रभाव से दोनों को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये एसपीओ स्थानीय स्तर पर आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट प्रदान कर रहे थे, जिससे सुरक्षा बलों की गोपनीय योजनाएं खतरे में पड़ रही थीं। दूसरी ओर, उत्तर कश्मीर के सोपोर इलाके में आतंकी समर्थक नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए पुलिस ने लगातार दूसरे दिन व्यापक अभियान चलाया। सोपोर पुलिस ने विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर जम्मू–कश्मीर नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पीपल (जेकेएनओपी), अन्य आतंकवादी संचालकों और उनके सहयोगियों से जुड़े 30 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की। इन अभियानों का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद को रसद, वित्तीय या वैचारिक सहायता देने वाले स्थानीय नेटवर्क को तोड़ना था। चल रहे ऑपरेशनों में कई ओजीडब्ल्यू और संदिग्ध सहयोगियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। इनसे सीमा पार संचालकों की मदद करने में उनकी भूमिका और संबंधों की जांच की जा रही है। फोरेंसिक जांच के लिए आपत्तिजनक सामग्री, दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए, जिनमें संभवतः आतंकी संचार और फंडिंग से जुड़ी जानकारियां हो सकती हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में घेराबंदी और तलाशी अभियान एक साथ चलाए गए।

दूसरे चरण का प्रचार बंद, 20 जिलों की 122 सीटों पर 11 नवंबर को मतदान

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार का शोर रविवार शाम 6 बजे थम गया। अब पूरी बागडोर जनता के हाथों में है, जो सोमवार 11 नवंबर को मतदान करके यह तय करेगी कि सत्ता की कुर्सी पर कौन बैठेगा। बिहार चुनाव के दूसरे इस चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इनमें 101 सामान्य, 19 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटें शामिल हैं। कुल 3 करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इस चरण में प्रत्येक बूथ पर औसतन 815 मतदाता दर्ज हैं, जो शांतिपूर्ण मतदान की उम्मीद को संतुलित रखते हैं।

नेताओं का तूफानी प्रचार

प्रचार के अंतिम दिन सियासत पूरी गरमी पर रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, महागठबंधन की तरफ से सीएम का चेहरा तेजस्वी प्रसाद यादव, और लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान समेत तमाम बड़े नेताओं ने ताबड़तोड़ रैलियां कर जनता का रुख अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। मोदी की सभाओं में भीड़ उमड़ी तो नीतीश ने अपने विकास कार्य गिनाए। तेजस्वी ने रोजगार को मुद्दा बनाया और युवाओं से जुड़ने की कोशिश की, वहीं चिराग ने एनडीए के अंदर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास किया। प्रचार में आरोप–प्रत्यारोप और वादों की बारिश ने चुनावी माहौल को गरमा दिया।

किस सीट पर कितनी टक्कर

दूसरे चरण में तीन सीटों पर सबसे ज्यादा 22–22 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसमें कैमूर का चैनपुर, रोहतास का सासाराम और गया शहर शामिल है। वहीं, लौरिया, चनपटिया, रक्सौल, सुगौली, त्रिवेणीगंज और बनमनखी ऐसी सीटें हैं, जहां केवल 5–5 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इससे कुछ सीटों पर सीधा मुकाबला तो कुछ पर बहुकोणीय लड़ाई देखी जा सकती है। पुरुष मतदाता 1,95,44,041, महिला मतदाता 1,74,68,572, जबकि थर्ड जेंडर के 943 मतदाता भी लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सा लेंगे। युवा निर्णायक भूमिका में दिख रहे हैं। 18–29 वर्ष के 84.84 लाख वोटर और 30–40 वर्ष के 1.04 करोड़ 97 हजार वोटर चुनाव का रुख बदले बिना नहीं रहेंगे। पहली बार वोट डालने वाले 7,69,356 फ्लोटिंग वोटर किसी भी सीट पर समीकरण बिगाड़ सकते हैं। इसके अलावा, 43 एनआरआई, 6,255 सौ वर्ष से अधिक उम्र, 4,87,219 (80+), 4,04,615 दिव्यांगजन और 63,373 सेवा मतदाता भी चुनाव प्रक्रिया को मजबूती देंगे।

हरदोई में युवक की गोली मारकर हत्या, एक मर्डर में जा चुका था जेल

बेनीगंज , उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। हांस बरौली गांव के पास गढ़ीहार संपर्क मार्ग के किनारे नाले से युवक का शव बरामद किया गया। राहगीरों ने जब लाश देखी तो इलाके में हड़कंप मच गया। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त भगवन्तपुर निवासी वीरेंद्र (33) पुत्र मुन्ना के रूप में की। जांच में सामने आया कि युवक की कनपटी पर सटाकर गोली मारी गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही एसपी हरदोई अशोक कुमार मीणा, एएसपी पश्चिम मार्तंड प्रताप सिंह और सीओ हरियावां अजीत कुमार सिंह पुलिस व फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की। पुलिस को मौके से एक जोड़ी चप्पल, गमछा, चिलम और एक पेन से लिखा हुआ कागज मिला, जिस पर मोबाइल नंबर की जगह 'भाभी जान' लिखा था। पुलिस मान रही है कि यह कागज इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में बड़ा सुराग साबित हो सकता है।

तेज रफ्तार ने बुझाई जिंदगी की लौ

– पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार, एक छात्र की मौत, अन्य दो गंभीर घायल

विकासनगर। देहरादून–पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सेलाकुई से सहसपुर की ओर आ रही एक तेज रफ्तार कार विपरीत दिशा में जाकर पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में कार सवार बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी सत्यम कुमार उर्फ हर्षराज (22 वर्ष) की मौत हो गई। वहीं, बिहार निवासी विनीत (21 वर्ष) और उत्तरप्रदेश के प्रयागराज निवासी सौरभ सिंह (24 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। विनीत का दून अस्पताल और सौरभ सिंह का धूलकोट स्थित ग्राफिक एरा अस्पताल में उपचार चल रहा है। मृतक और दोनों घायल छात्र सहसपुर स्थित जेबीआईटी के छात्र हैं। कोतवाली प्रभारी शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि शनिवार रात करीब 2.30 बजे रामपुर में बड़ी मस्जिद के पास एक कार के पेड़ से टकराने की सूचना मिली थी।सूचना पर पुलिस टीम टीम मौके पर पहुंची। कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। कार में तीन युवक सवार थे। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। तीनों घायलों को 108 इमरजेंसी एंबुलेंस से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर भिजवाया गया, जहां चिकित्सकों ने सत्यम कुमार को मृत घोषित कर दिया। विनीत और सौरभ सिंह को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। विनीत का दून अस्पताल और सौरभ सिंह का धूलकोट स्थित ग्राफिक एरा अस्पताल में उपचार चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक का पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सम्पादकीय

पीएम की सौगात

उत्तराखंड के लिए खास स्नेह रखने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड के रजत जयंती समारोह में सारगर्भित भाषण दिया। स्थानीय भाषा से अपने संबोधन को शुरू करते हुए उन्होंने न केवल लोगों का अपनी की परिचित शैली में आकर्षक बटोरा बल्कि उनके भाषण में वो सभी बातें नजर आई जिन्हें उत्तराखंड की जनता पसंद करती है। उन्होंने उत्तराखण्ड की 25 वर्ष की उपलब्धियों का सिलसिलेवार जिक्र किया। भविष्य के रोडमैप को लेकर अपने सुझाव दिए और राजनैतिक तौर पर उत्तराखंड की भविष्य की दिशा भी तय की। लगभग आधे घंटे तक अपने भाषण में उन्होंने उत्तराखंड को ही फोकस किया और दूर–दूर तक विपक्ष से दूरी बनाए रखी। उत्तराखंड के लिए उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं के तहत करोड़ों रुपए की घोषणा की जिसकी पहले ही उम्मीद की जा रही थी। किसी भी क्षेत्र में जाकर वहां की जनता को संबोधित करना कोई आसान काम नहीं होता और उसके लिए अमुक प्रदेश की सभ्यता परंपरा और संस्कृति को जानना जरूरी होता है। इस काम में प्रधानमंत्री मोदी बेहद कुशल है और उनकी यही कुशलता उनके भाषण में भी नजर आई। पूरे भाषण में उन्होंने उत्तराखंड के लोक पर हरेला, फुलदेई, भिंटोली जैसे त्यौहारों से पयर्टकों को जोड़े जाने की जरूरत पर जोर दिया तो वहीं नंदादेवी, जौलजीवी, बागेश्वर उत्तरायणी, देवीधुरा, श्रावणी और बटर फेस्टिवल जैसे जीवंत मेलों का भी जिक्र किया। देश के किसी भी हिस्से में जाएं प्रधानमंत्री मोदी क्षेत्रीय विकास की बात करते हैं। उत्तराखंड के 25 वर्ष पूरे होने के रजत जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उन्होंने न सिर्फ प्रदेश की प्रगति पर फोकस किया बल्कि राज्य की सामर्थ्य को भी प्रमुखता से अपने भाषण में रखा। मोदी ने अपने भाषण में उत्तराखंड बनने के 25 वर्षों के आंकड़े रखें जिसमें उत्तराखंड के बजट से लेकर उत्तराखंड की विभिन्न योजनाओं को लक्ष्य तक पहुंचाने का जिक्र किया। खास तौर पर उन्होंने रोड मैप के आधार पर विकास का रास्ता अपने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने गत 25 वर्षों में विकास की लंबी यात्रा तय की है, लेकिन अब राज्य को अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय करना है। इसके लिए राज्य को जहां चाह, वहां राह के मूलमंत्र अपनाना होगा। निश्चित तौर पर उत्तराखंड के लिए केंद्र में मोदी का प्रधानमंत्री होना फायदे का ही सौदा रहा है और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उत्तराखंड से बेहद लगाव रखते हैं और यह उन्होंने न केवल आज बल्कि कई मौकों पर स्थापित किया है।

भारत के श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में: श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन की आवश्यकता

एस.पी. तिवारी

भारत का कार्य जगत एक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। देश की श्रमशक्ति को लिखित अनुबंधों, पर्याप्त मजदूरी और व्यापक सामाजिक सुरक्षा द्वारा समर्थित औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए ताकि विकास के लाभ सभी के लिए सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आजीविका में बदल सकें। पुराने विनियामक ढांचों के बने रहने के चलते, आंशिक रूप से, औपचारिकीकरण की गति और उद्यमों की सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सृजित करने की क्षमता सीमित हो गई है। वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाज की स्थितियों के संबंध में पारित चार श्रम संहिताएं 2002 में रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता वाली द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग द्वारा परिकल्पित लंबे समय से लंबित सुधारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस श्रम आयोग का मिशन तत्कालीन मौजूदा श्रम ढांचे को संहिताबद्ध, सरल और संशोधित करना था। ये नई संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने हेतु एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। सभी राज्यों में इनका एकसमान कार्यान्वयन अब एक बेहद जरूरी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

ये नई संहिताएं 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाती हैं। इन कानूनों में से कई बीसवीं सदी के मध्य के हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य न केवल कानूनों का विलय करना है, बल्कि श्रमिकों/कर्मचारियों की विभिन्न परिभाषाओं को एक सरल परिभाषा में बदलना भी है। प्रत्येक संहिता श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुदृढ़ करती है और साथ ही नियोक्ताओं के लिए स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करती है।

उचित मजदूरी और श्रम की गरिमा

वेतन संहिता, 2019 प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने वाला वेतन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन और एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके, यह संहिता इस बात की गारंटी देती है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह किसी भी पेशे या स्थान से जुड़ा हो, एक बुनियादी मानक आय से वंचित नहीं रहेगा। उद्योग की अनुसूची को समाप्त करने से सार्वभौमिक वेतन का मार्ग प्रशस्त होता है।

समय पर भुगतान के प्रावधानों को मजबूत किया गया है। इससे देरी की वह समस्या दूर हुई है, जो पहले परिवारों को कर्ज में धकेल देती थी। अब कर्मचारी अप्रदत्त वेतन या बोनस का दावा आसानी से कर सकते हैं और ऐसे विवादों में सबूत पेश करने का भार नियोक्ता पर होता है, जिससे जवाबदेही बढ़ती है।

साथ ही, यह संहिता उद्यमों के लिए अनुपालनों को सुव्यवस्थित करती है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड–कीपिंग, एकल पंजीकरण एवं एकीकृत रिटर्न कागजी कार्रवाई को कम करते हैं और हेरफेर की आशंकाओं को घटाते हैं।

सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 आजाद भारत में कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को एकीकृत करके, यह संहिता एक ऐसी एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है जो पारंपरिक और भविष्य के कार्य, दोनों को कवर करती है।

यह पहली बार है जब गिग श्रमिकों, प्लेटफॉर्म श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय श्रमशक्ति का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को ई–श्रम पोर्टल के जरिए पंजीकृत किया जाएगा और एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या प्रदान की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभों का सीधा वितरण संभव हो सकेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय व राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष बनाए जायेंगे कि ऐप–आधारित डिलीवरी पार्टनर या निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूर जैसे श्रमिक भी अब सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहें और निधियों का समग्र प्रबंधन संभव हो।

इस संहिता में करियर केन्द्र, डिजिटल एवं भौतिक प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं जो व्यावसायिक मार्गदर्शन, परामर्श और रोजगार सेवाएं प्रदान करेंगे। यह संस्थागत समर्थन कल्याण को बहु–रोजगार क्षमता से जोड़ेगा, जिससे श्रमिकों को असुरक्षा की स्थिति से निकलकर अवसर की दिशा में बढ़ने में मदद मिल सकेगी।

कार्यस्थल पर सुरक्षा, गरिमा और समानता

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 (ओएसएच संहिता), राष्ट्र निर्माण करने वालों की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी का एक संदेश है। "प्रतिष्ठान" की परिभाषा को व्यापक बनाकर, यह संहिता उन लाखों लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो पहले सुरक्षा कानूनों के दायरे में नहीं आते थे।

यह श्रमिकों के निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मानकों का विकास सुनिश्चित करता है। ओएसएच संहिता लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करती है। महिला श्रमिकों को सभी प्रतिष्ठानों और रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है, बशर्ते पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। इससे अधिक संख्या में महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने व बने रहने का अधिकार मिलता है। प्रवासी श्रमिकों को भी एक राष्ट्रीय पंजीकरण प्रणाली के जरिए मान्यता हासिल होती है। इससे कल्याणकारी योजनाओं और आवागमन संबंधी लाभों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होती है और बेहतर जीवन एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु कानूनी ढांचे की निगरानी संभव होती है।

कैंटीन और शौचालय जैसी सुविधाएं अब निचले पायदान तक अनिवार्य हैं और ऐसे प्रावधानों के निर्धारण के क्रम में ठेका श्रमिकों को भी शामिल किया जाता है। ये उपाय न्यूनतम अनुपालन से हटकर श्रमिकों के कल्याण के प्रति वास्तविक चिंता की दिशा में होने वाले बदलाव को दर्शाते हैं।

संवाद और औद्योगिक सद्भाव

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच संबंधों में स्पष्टता लाती है और एक एकीकृत ढांचे के साथ तीन पुराने अधिनियमों की जगह लेती है। इसके तहत बीस या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए शिकायत निवारण समितियां स्थापित करना अनिवार्य है ताकि विवादों के हड़ताल या मुकदमेबाजी में बदल जाने से पहले ही उनका शीघ्र समाधान उद्यम स्तर पर सुनिश्चित हो जाए।

ट्रेड यूनियनों को एक समझौतावादी संघ या परिषद की अवधारणा के जरिए मान्यता हासिल होती है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी को बल मिलता है और श्रमिकों को अपने कार्यस्थल को आकार देने में एक प्रभावी भागीदारी हासिल होती है। छंटनी का सामना कर रहे श्रमिक अब 30 दिन का नोटिस और पर्याप्त मुआवजा पाने के हकदार हैं। यह एक मानवीय सुधार है, जो आजीविका की सुरक्षा का सम्मान करता है। छंटनीग्रस्त श्रमिकों के लिए एक पुनः कौशल निधि (रिस्किलिंग फंड) की स्थापना एक दूरदर्शी दृष्टिकोण का संकेत देती है, जो बदलती अर्थव्यवस्था में सीखने और अनुकूलनशीलता को महत्व देती है। हड़ताल के अधिकार से संबंधित प्रावधानों पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। बंदी या तालाबंदी की आसान मंजूरी के लिए उद्योगों के लिए श्रमिकों की सीमा को बढ़ाकर 300 तक करने के प्रावधान पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

इस संहिता द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त निश्चित अवधि का रोजगार, उद्योग जगत को लचीलापन प्रदान करता है और साथ ही नियमित कर्मचारियों के समान वेतन और ग्रेच्युटी सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों में समानता की गारंटी देता है। यह कदम आधुनिक अर्थव्यवस्था की जरूरतों और उसमें काम करने वालों के औचित्य एवं सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करता है।

कार्यान्वयन अब क्यों जरूरी

विभिन्न विकासशील देशों से मिले साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि श्रम सुधारों ने आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बढ़ते टैरिफ और व्यापार के बदलते पैटर्न से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों की पृष्ठभूमि में, भारत को अपने नए श्रम कानूनों को तत्काल लागू करना जरूरी है। सरल एवं पारदर्शी कानून निवेश को आकर्षित करेंगे, औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देंगे और श्रमिकों की गरिमा को बनाए रखेंगे। समय पर अधिसूचना भारत को विकसित देशों का दर्जा दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

एक ऐसे दौर में जब स्वचालन और डिजिटलीकरण पारंपरिक नौकरियों के खत्म हो जाने का खतरा पैदा कर रहे हैं, ये संहिताएं संतुलित विकास का एक ऐसा ढांचा प्रदान करती हैं जो तकनीकी प्रगति के बावजूद मानवीय गरिमा को बनाए रखता है। सभी राज्यों में इनके कार्यान्वयन से एक समान मानक बनेंगे, अस्पष्टता कम होगी और नौकरियां आसानी से सुलभ होंगी।

आगे की राह

ये चार संहिताएं एक ऐसे आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की महत्वाकांक्षा की रीढ़ हैं, जो आर्थिक गतिशीलता और सामाजिक न्याय के बीच समन्वय सुनिश्चित करता है। ये संहिताएं निरीक्षकों को सुविधाप्रदाता में बदल देती हैं, पुराने एवं परस्पर विरोधी कानूनों को स्पष्ट व सुसंगत कानूनों से बदल देती हैं और श्रमिकों के कल्याण को आर्थिक नीति के केन्द्र में रखती हैं।

कुछ शर्तों के साथ इन सुधारों की भावना केवल एकीकरण में ही नहीं, बल्कि करुणा में भी निहित है। ये सुधार यह सुनिश्चित करते हैं कि कारखाने से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, हर कर्मचारी को सम्मान, सुरक्षा और संरक्षा मिले। श्रमिकों के लिए, ये सुधार निष्पक्षता और अवसर का वादा करते हैं। इसलिए, इन संहिताओं को शीघ्रता और एकरूपता के साथ लागू करना न केवल प्रशासनिक तात्कालिकता, बल्कि राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का भी विषय है ताकि एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा सके जहां विकास सबका साझा हो, काम का सम्मान हो और भारत की प्रगति में योगदान देने वाले हर हाथ की रक्षा हो एवं उनके जीवनयापन में आसानी हो।

राजनीतिक दलों के सोच में सकारात्मक बदलाव

महिलाओं को लेकर राजनीतिक दलों में पिछले एक दशक से सकारत्मक परिवर्तन हुआ है। राजनीतिक दलों में सबसे पहले 2006 मप्र के मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह ने लाडली लक्ष्मी, कन्यादान योजना का आयोजन किया। शिवराज सिंह चौहान दर्शन विज्ञान के छात्र रहे हैं।इन योजनाओं के चलते 2008 के मप्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 5 साल की सत्ता विरोधी लहर के बाबजूद जीत गई और अप्रत्याशित रूप से सत्ता में बापिस करली ।लेकिन तब तक राजनीति दल शिवराज सिंह की इस गहरी चाल को भांप नहीं पाए थे। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने 2013 के मप्र विधानसभा चुनाव में जननी सुरक्षा, संबल योजना, विधवा पेंशन योजनाओं को चला दिया और मोदी लहर के शुरुआत का सहारा लेकर जीत हासिल की तब देश के राजनीतिक दलों ने खोज खबर ली कि मप्र में ये क्या हो रहा है। सभी राजनीतिक विशेषज्ञ इस बात से हैरान थे कि भारतीय जनता पार्टी ने तीसरी बार सरकार बनाई थी और वह भी दो तिहाई बहुमत से जीत हुई थी। और उसे 45.2 फीसदी मत मिला था। इधर तमिलनाडु में जयललिता ने अम्मा कैंटीन चला कर 2015 के चुनाव में जीत हासिल की । मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने 2023 के विधानसभा चुनावों में तो भारत वर्ष का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार ईजाद कर दिया लाडली बहना जिसके तहत प्रत्यक वर्ग, जाति, समुदाय, धर्म की महिलाओं को एक सिस्टम के तहत हर महीने 1250 रुपए सीधे उसके खाते में डाल कर चुनाव में 162 सीट लाकर कमाल कर दिया और 25 वर्ष तक मप्र में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता तय कर दी। बताया जाता है कि शिवराज सिंह के इस फैसले से उनकी अपनी पार्टी और केंद्र सरकार भी खुश नहीं थी।मगर चुनाव परिणाम आने पर सब हतप्रभ रह गए। भारतीय जनता पार्टी ने 48 फीसदी वोट हासिल किए थे। जबकि चुनाव से पहले भोपाल से दिल्ली तक मप्र में कांग्रेस सरकार आने का हल्ला मचा हुआ था। अब तो महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा,के चुनावों सीधे महिलाओं को 1500 से 2000 रुपए महीने देना शुरू कर दिए और सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी जीत गई ।हालांकि नीतीश कुमार ने भी 2020 के चुनाव महिलाओं के लिए काफी घोषणाएं की थी । झारखंड में तो जेएमएम के हेमंत सोरेन ने हरा हुआ चुनाव मैया योजना से जीत लिया क्योंकि उन्होंने जेल से रिहा होकर मुख्यमंत्री बन महिलाओं के खाते में सीधे 7500, रुपए महीने डाल दिए और भारतीय जनता पार्टी को उसके दाव से ही हरा दिया।अब बिहार में तो नीतीश कुमार ने महिलाओं को 1०० रूपये घूस जैसे दिए हैं। बिहार चुनाव में लोग दावा कर रहे हैं कि यही कारण से एनडीए सत्ता में लौट रहा है। हरियाणा में तो भारतीय जनता पार्टी ने तिगड़ी लगा दी। अब महिलाओं के जनधन खाते राजनीतिक हथियार बन चुके हैं और इसमें सत्ता रूढ़ पार्टी सत्ता विरोधी लहर से बच जाती है।पूरे देश में राजनीतिक दलों में मंथन चल रहा है कि इस मामले में क्या किया जाय। आजादी से पहले और बाद में भी समाज में नारी का पुरुष प्रधान समाज में बस अस्तित्व ही था और नारी को उपभोग और बच्चे पैदा करने के रूप में ही जाना जाता था।समाज ने नारी को कुलटा, देवदासी, वैश्या,यहां तक कि डायन तक कहा । राजे रजवाड़े हजारों स्त्रियां अपनी रखैल के रूप में रखते थे। इतना ही नहीं सती भी एक यातना ही थी।

विधवा का जीवन तो नरकीय था ही उसे यौन शोषणों का शिकार बनाया जाता था।आजादी के बाद भी बालिकाओं का जन्म बहुत ही अशुभ माना जाता था हालांकि जो शोषण कर्ता पुरुष नारी की कोख से जन्म लेता है।

डॉनल्ड ट्रंप की कार्यशैली

ट्रंप के लिए गोल–पोस्ट बदल लेना आम बात है। रूस से तेल खरीदारी रुकवाने तक वे सीमित रहेंगे, यह सोचना भूल है। ब्रिक्स+ से अलगाव और भारतीय पूंजी का अमेरिका में निवेश करवाना उनकी अगली प्राथमिकताएं हो सकती हैं। भारत सरकार जिसे पहले देश की ऊर्जा जरूरतों के मुताबिक अपना संप्रभु निर्णय कहती थी, उस मामले में झुकने का संकेत देकर उसने सारी दुनिया में बहुत गलत संदेश भेजा है। ताजा घटनाओं से अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा सच होता दिखा है कि इस वर्ष के अंत तक रूस से कच्चे तेल की खरीदारी रोक देने का गुपचुप आश्वासन उन्हें दिया गया। इन खबरों के बाद चर्चा फिर गर्म है कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ता पर दोनों देश सहमति की ओर बढ़ रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्टों में तो यहां तक बताया गया है कि अब समझौते का प्रारूप लिखा जा रहा है। प्रस्तावित समझौते में कृषि एवं डेयरी क्षेत्रों को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने की ट्रंप प्रशासन की मांग पर भारत कहां तक झुकेगा, यह अभी साफ नहीं है। मगर वह सिर्फ एक मुद्दा है। डॉनल्ड ट्रंप की कार्यशैली से जाहिर है कि ट्रेड डील उनके लिए सिर्फ व्यापार घाटा पाटने का जरिया नहीं है। बल्कि इसे उन्होंने अमेरिका के व्यापक भू–राजनीतिक हितों को साधने का औजार बना रखा है। ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने के संदर्भ में उनके दावे भी इसी बात की पुष्टि करते हैं। फिलहाल एक विज्ञापन को आधार बना कर जिस तरह उन्होंने कनाडा से व्यापार वार्ता तोड़ दी, उससे यही संकेत मिला है कि ट्रंप के लिए गोल–पोस्ट बदल लेना आम बात है। यानी वे रूस से तेल खरीदारी रुकवाने तक सीमित रहेंगे, यह सोचना भूल है। ट्रंप ने ब्रिक्स+ को निशाने पर ले रखा है, जिससे भारत को अलग करवाना उनका अगला मकसद बन सकता है।

अर्जुन, ऐश्वर्या राजेश–स्टारर थैयावर कुलई नाड़ुंगा की रिलीज डेट से उठा पर्दा

निर्देशक दिनेश लेचुमनन की बहुप्रतीक्षित खोजी थ्रिलर थियावर कुलाई नाडुंगा, जिसमें अभिनेता अर्जुन और ऐश्वर्या राजेश मुख्य भूमिका में हैं, इस साल 21 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होगी।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले फिल्म यूनिट द्वारा जारी किए गए एक टीज़र ने प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में भारी दिलचस्पी जगाई थी।

इस क्राइम इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के टीज़र में कई तनावपूर्ण दृश्य दिखाए गए थे और इसने फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ा दी थी।

इस अपराध थ्रिलर के केन्द्र में एक गहन नैतिक सिद्धांत निहित है – कि कानून को न्याय द्वारा और न्याय को धर्म द्वारा पराजित किया जा सकता है, लेकिन अंत में, विजयी हमेशा धर्म ही होता है।

टीज़र की शुरुआत अर्जुन को यह एहसास दिलाती है कि जावा नाम के एक मशहूर लेखक द्वारा लिखी गई एक काल्पनिक कहानी गैर–काल्पनिक लगती है। जल्द ही, हम अर्जुन को ऐसे घटनाक्रमों की पड़ताल करते हुए देखते हैं जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने के लिए बाध्य हैं। टीज़र से पता चलता है कि अर्जुन एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। हालाँकि यह स्पष्ट नहीं है कि ऐश्वर्या राजेश फिल्म में क्या भूमिका निभाएंगी, लेकिन हमें यह समझ आ जाता है कि उनका किरदार कथानक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पूछताछ, रहस्य और अचानक तीव्रता के दृश्यों से बुना यह टीज़र यह आभास देता है कि यह फिल्म एक रोमांचक थ्रिलर होगी।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ कई दिग्गज बल्लेबाजों ने शानदार पारियां खेलीं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों की पारी इतनी बड़ी रही कि उन्होंने क्रिकेट इतिहास में खास जगह बनाई। भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाना कभी आसान नहीं रहा फिर भी इन बल्लेबाजों ने धैर्य और आक्रामकता से भारतीय टीम को खूब परेशान किया। ऐसे में आइए उन बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं जिन्होंने टेस्ट के इतिहास में भारत के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेली।

इस सूची में पहले स्थान पर श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सनथ जयसूर्या हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ साल 1997 में कोलंबो के मैदान पर खेले गए टेस्ट में 340 रन की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने पहली पारी में 537/8 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जयसूर्या ने 578 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। उनके बल्ले से 36 चौके और 2 छक्के निकले थे। यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। दूसरे स्थान पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ग्राहम गूच हैं। उन्होंने साल 1990 में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय टीम के खिलाफ 333 रन बना दिए थे।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी–20 में वेस्टइंडीज को हराया, मैच में बने ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली,न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को तीसरे टी–20 मुकाबले में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ 9 रन से जीत मिली है। इसी के साथ कीवी टीम ने 5 मैचों की टी–20 सीरीज में 2–1 से बढ़त ले ली है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 177/9 का स्कोर बनाया था। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 19.5 ओवर में 168 रन का स्कोर ही बना पाई। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर नजर डाल लेते हैं। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम के लिए डेवोन कॉनवे ने सबसे ज्यादा 56 रन बनाए। डेरिल मिचेल के बल्ले से 41 रन निकले। मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2–2 विकेट अपने नाम किए। जवाब में वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने सबसे बड़ी पारी (49 रन) खेली।

न्यूजीलैंड के लिए सभी गेंदबाजों ने मैच में अच्छी गेंदबाजी की। ईश सोढ़ी और काइल जैमिसन ने 3–3 विकेट अपने नाम किए। कॉनवे ने मैच में 34 गेंदों का सामना किया और 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 2 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 164.71 की रही। ये उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 12वां अर्धशतक रहा। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस खिलाड़ी के बल्ले से दूसरा अर्धशतक निकला। कॉनवे ने अब तक 60 टी–20 अंतराष्ट्री मुकाबले खेले हैं और इसकी 55 पारियों में 36.17 की औसत और 127.98 की स्ट्राइक रेट से 1,628 रन बनाए हैं। सोढ़ी ने 4 ओवर गेंदबाजी की और 34 रन देकर 3 विकेट चटकाए। उनकी इकॉनमी रेट 8.50 की रही। उन्होंने एलिक अथानाजे (31), रोवमैन पॉवेल (2) और मैथ्यू फोर्ड (4) को अपना शिकार बनाया। सोढ़ी का वेस्टइंडीज के खिलाफ ये सर्वेश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 12 मुकाबलों में 20.73 की औसत से 15 विकेट लिए हैं।

बॉक्स ऑफिस पर द ताज स्टोरी के आगे नतमस्तक हुआ बाहुबली

एसएस राजामौली और प्रभास की फिल्म बाहुबली द एपिक की बॉक्स ऑफिस पर उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सिर्फ 6 दिनों के अंदर ही फिल्म की कमाई ने दम तोड़ना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, परेश रावल की द ताज स्टोरी का संघर्ष भी जारी है। दोनों फिल्मों को 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और अब परेश की फिल्म ने बाहुबली को करारी मात दे डाली है। आइए देखें दोनों फिल्मों की ताजा कमाई। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभास अभिनीत फिल्म बाहुबली द एपिक ने पहले दिन 9.65 करोड़ रुपये से खाता खोला था। इसके बाद से फिल्म का संघर्ष जारी है। रिलीज के 6वें दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर कुल 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। यह फिल्म का सबसे कम कारोबार है। कुल मिलाकर अब तक फिल्म ने कुल 29.65 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। बता दें कि बाहुबली और बाहुबली 2 को मिलाकर बाहुबली द एपिक बनाई गई है। ताजमहल के डीएनए पर सवाल उठाने वाली फिल्म द ताज स्टोरी भी 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

प्रभास की द राजा साब का नया पोस्टर जारी

सुपरस्टार प्रभास की आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म द राजा साब का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर जारी किया गया है। अभिनेता ने अपने जन्मदिन पर इस पोस्टर को रिलीज करते हुए प्रशंसकों को तोहफा दिया है। पिछले महीने मेकर्स ने द राजा साब का ट्रेलर जारी किया था जिसे शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। आलम ये है कि लोगों ने अभी से प्रभास की फिल्म को ब्लॉकबस्टर बताना शुरू कर दिया है। द राजा साब का निर्देशन मारुति ने किया है।

प्रभास ने सोशल मीडिया पर द राजा साब से प्रभास का नया पोस्टर जारी किया और लिखा, आप सभी से 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में मुलाकात होगी... !

नंबर तीन की कमी पूरी कर सकते हैं ध्रुव जुरैल

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर–बल्लेबाज ध्रुव जुरैल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब उन्हें मौका मिलता है तो वे उसका पूरा फायदा उठाना जानते हैं।

बेंगलुरु के बीसीसीआई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में खेले जा रहे भारत–ए और दक्षिण अफ्रीका–ए के बीच चार दिवसीय मुकाबले में उन्होंने दोनों पारियों में शतकीय प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

पहली पारी में नाबाद 132 रन बनाने वाले ध्रुव जुरैल ने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 170 गेंदों पर 15 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 127 रन बनाए। उनकी इन पारियों की बदौलत भारत–ए ने दक्षिण अफ्रीका–ए के सामने 417 रन का विशाल लक्ष्य रखा। तीसरे दिन भारत–ए ने दूसरी पारी 78/3 से आगे शुरू की। कप्तान ऋषभ पंत की अगुआई वाली टीम ने सात विकेट पर 382 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। दिन का खेल खत्म होने तक मेहमान टीम ने बिना किसी नुकसान के 11 ओवर में 25 रन बना लिए थे।

नंबर तीन की दावेदारी

भारत को अब दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। मुख्य विकेटकीपर ऋषभ पंत की वापसी के बाद जुरैल को बाहर बैठाया जा सकता था लेकिन अब उन्हें मुख्य टीम में तीसरे नंबर पर शुद्ध बल्लेबाज के तौर पर खिलाया जाना चाहिए। भारतीय टीम लंबे समय से भरोसेमंद नंबर–3 बल्लेबाज की तलाश में है। जुरैल की तकनीक और स्थिरता को देखते हुए उन्हें भविष्य में इस स्थान के लिए विकल्प माना जा सकता है। हाल में भारत की टेस्ट टीम में तीसरे नंबर पर खेल रहे साई सुदर्शन कुछ खास नहीं कर पाए हैं। वह इस चार दिवसीय मैच की दोनों पारियों में भी कुल 40 रन जोड़ पाए। अभिमन्यु ईश्वरन भी दोनों पारियों में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

संक्षिप्त समाचार

पुनाड़ में 5 दिसम्बर से शुरू होगी पांडव लीला

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित पुनाड़ पांडव चौक में 5दिसम्बर से पांडव लीला का भव्य मंचन किया जाएगा। रविवार को पांडव चौक में आयोजित बैठक में पंचाग गणना के अनुसार आयोजन को लेकर ब्राह्मणों द्वारा शुभ मुहूर्त निकाला गया। इस मौके पर निर्णय लिया गया कि पांडव लीला के आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति के सदस्यों को जिम्मेदारी दी जाएगी। पुनाड़ पांडव चौक में रविवार को पांडव नृत्य एवं शिव समिति पुनाड़ के अध्यक्ष गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक सभी ग्रामीणों की मौजूदगी में ब्राह्मणों द्वारा पंचाग गणना के अनुसार आयोजन को लेकर 5दिसम्बर का शुभ मुहूर्त निकाला गया। 8 दिसम्बर को पांडवों द्वारा अस्त्र–शस्त्रों के साथ नृत्य शुरू होगा। 15 दिसम्बर महादेव पूजन का दिन घोषित किया गया। 20दिसम्बर को गैंडा कौथीग सिरोता होगा जबकि 21 दिसम्बर को पांडव गंगा स्नान करेंगे। 22 को हाथी कौथीग के रूप में दूसरा सिरोता होगा। 23दिसम्बर को मोरू डाली कौथीग के पांडव नृत्य का समापन होगा। इस मौके पर पांडव नृत्य एवं शिव समिति के अध्यक्ष प्रकाश गोस्वामी, सचिव सुनील नौटियाल, कोषाध्यक्ष विक्रम कप्रवान सहित सभी ग्रामीण मौजूद थे।

गैरसैंण में कांग्रेसियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

चमोली। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को जनपद चमोली कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में गैरसैंण नगर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। रैली का नेतृत्व पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता की भावनाओं के विपरीत देहरादून में राज्य स्थापना का जश्न मनाने का निर्णय लिया है, जबकि गैरसैंण राज्य आंदोलन की भावना का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि इसी कारण कांग्रेस ने ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में राज्य आंदोलनकारियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम आयोजित किया। हालांकि, कुछ चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाई। इसके बावजूद रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और उन्होंने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी ने पार्टी के पंचायत प्रतिनिधियों, नगर पंचायत अध्यक्षों और प्रमुखों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद कुंजवाल, विधायक लखपत बुटोला, विधायक मनोज तिवारी, पूर्व विधायक ललित फर्सवाण, पूर्व विधायक मनोज रावत, जिला अध्यक्ष मुकेश नेगी, प्रभारी प्रदीप थपलियाल, राज्य आंदोलनकारी हरिकृष्ण भट्ट, हरेन्द्र कंडारी, दान सिंह नेगी, सुरेन्द्र बिष्ट, कमल रतूड़ी, ईश्वरी मैखुरी, पूर्व प्रमुख सुमति बिष्ट और मीना देवी सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोखरी में भालू के हमले में महिला घायल

चमोली। चमोली जनपद के पोखरी ब्लॉक के गुनियाला गांव में रविवार सुबह एक महिला पर भालू ने हमला कर उसे घायल कर दिया। भालू के बढ़ते आतंक से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, गुनियाला गांव की रुचि देवी (28 वर्ष), पत्नी मनोज कुमार अपने गांव की अन्य महिलाओं के साथ धमतोली के जंगल में काश्तकारी (खेती–बाड़ी) करने गई थीं। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक उन पर हमला कर दिया। महिला के चीखने पर साथ में मौजूद अन्य महिलाओं ने शोर मचाया, जिसके बाद भालू जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को 108 एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पोखरी पहुंचाया गया।

नन्दा देवी राजजात अध्ययन दल का नन्दासैंण मेले में स्वागत

चमोली। वर्ष 2026 में आयोजित होने जा रही हिमालयी सचल कुंभ नन्दा देवी राजजात यात्रा के पड़ावों और यात्रा मार्ग का अध्ययन कर लौटे दल का नन्दासैंण मेले में भव्य स्वागत किया गया। नन्दा देवी राजजात समिति के महामंत्री भुवन नौटियाल ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि अध्ययन यात्रा के द्वितीय चरण से लौटे दल का मेले के आयोजकों और स्थानीय जनता ने फूल मालाओं से अभिनंदन किया। इस अवसर पर दल के सभी सदस्यों को नन्दा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। नौटियाल ने बताया कि अध्ययन दल ने राजजात के सभी प्रमुख पड़ावों, कठिन हिमालयी मार्गों और पवित्र होमकुंड तक की परिस्थितियों का जायजा लिया।

मार्ग निर्माण के लिए देहरादून की पदयात्रा शुरु

मुख्यमंत्री आवास घेराव के लिए सदस्यों का दल हुआ रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर जारी आंदोलन के तहत रविवार को 13 सदस्यों का दल देहरादून की पद यात्रा पर निकल गया है। 12 नवंबर को देहरादून में अन्य लोगों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। इस दौरान यात्रा रवानगी के दौरान लोगों ने प्रदेश सरकार से जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कोटद्वार से देहरादून के लिए रवाना होती टीम

रविवार सुबह चिलरखाल से 13 सदस्यों की टीम देहरादून के लिए रवाना हुई। दरअसल, मार्ग निर्माण को लेकर विगत दो माह से चिलरखाल में क्षेत्र के लोग लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले प्रवीन थापा ने कोटद्वार से दिल्ली तक 12 दिनों तक पैदल यात्रा की थी। उसके बाद क्षेत्रवासियों ने कई बार आक्रोश रैली निकालकर लालढांग चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण करवाए जाने की मांग भी की गई।

शासन प्रशासन पर आंदोलन का असर न दिखाई देने पर आखिरकार आंदोलनकारियों ने देहरादून तक पैदल यात्रा कर मुख्यमंत्री के आवास के घेराव का निर्णय लिया गया। रविवार को प्रवीन थापा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आंदोलनकारी चिल्लरखाल में एकत्रित हुए, जहां पर पैदल यात्रा में शामिल होने वाले आंदोलनकारी रवींद्र सौंद, गणेश रावत, दीपक गौड, हेमा नेगी, लक्की कोटनाला, नरेश धस्माना, पीतांबर कबटियाल, जगदीश मेहरा, गंगा प्रसाद कंडवाल, शशिकांत कुकरेती, महेंद्र सिंह, जगदीश सती आदि मौजूद रहे।

डीएवी व डैफाडिल्स के नाम रहा कबड्डी का फाइनल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रजत जयंती के मौके पर बलभद्रपुर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित कबड्डी का फाइनल मुकाबला डीएवी व डैफाडिल्स के नाम रहा।

प्रतियोगिता से पूर्व विद्यालय के प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अंडर-19 कबड्डी प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मुकाबला श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल व एमकेवीएन के बीच खेला गया। जिसमें श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल विजेता रहा। दूसरे मैच में डीएवी ने बलूनी पब्लिक स्कूल को हराया। अंडर-14 कबड्डी सेमीफाइनल में डीएवी ने एमकेवीएन को हराया। दूसरे मुकाबले में डैफोडिल्स ने बलूनी पब्लिक स्कूल को हराया। अंडर 19 का फाइनल मुकाबला एसजीआरआर व डीएवी के मध्य हुआ जिसमें 30.33 से डीएवी स्कूल विजेता रहा। अंडर 14 का फाइनल मुकाबला डैफाडिल्स ने 22.25 से डीएवी को हराकर अपने नाम किया। अंडर 14 के बेस्ट रेडर का अवार्ड कृतिका चौहान, डीएवी बेस्ट डिफेंडर का अवार्ड अतरीक्षा के नाम रहा। इस मौके पर सिद्धार्थ नैथानी, आदित्य चौहान आदि मौजूद रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथि

सशक्त उत्तराखंड निर्माण के लिए आगे आएं लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर रविवार को पौड़ी में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक राजकुमार पोरी, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, सीडीओ गिरीश गुणवंत सहित पूर्व सैनिकों व जनप्रतिनिधियों ने एजेंसी चौक स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की। इसके बाद प्रेक्षागृह में शहीद राज्य आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों व सांस्कृतिक दलों ने लोकगीतों व नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियों से वातावरण को उत्सवमय बना दिया। विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का गठन हजारों आंदोलनकारियों के त्याग और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने युवाओं से स्वावलंबन और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। डीएम स्वाति एस. भदौरिया ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों का संघर्ष ही आज के उत्तराखंड की नींव है। उन्होंने कहा कि पौड़ी के कृषक व स्व-सहायता समूह आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रहे हैं। उन्होंने बेडू फल को जीआई टैग मिलने को राज्य की बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच किसानों को शॉल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि 10 कृषकों को कृषि यंत्र और मिनी बीज किट वितरित किए गए। दो स्वायत्त सहकारिता समूहों को चार–चार लाख रुपये के चेक, बाल विकास विभाग की ओर से पांच बालिकाओं को किशोरी किट और समाज कल्याण विभाग के 11 लाभार्थियों को दिव्यांग उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में एडीएम अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, परियोजना निदेशक विवेक कुमार उपाध्याय सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे।

गांव में भालू की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः थलीसैंण के राठ क्षेत्र में भालू का आतंक बरकरार है। पिछले तीन महीने से राठ क्षेत्र में भालू ने पशुपालाकों को बड़ा नुकसान किया है। भालू ने बनाणी गांव में शुक्रवार को सुबह ही एक और मवेशी को मार दिया। इससे प्रभावित गांवों में भालू की खोज में जुटी वन विभाग टीम की भी चुनौतियां बढ़ गई हैं। एक के बाद हमलों में भालू अब तक करीब 40 मवेशियों को निवाला बना दिया है। सक्रिय भालू के पकड़े नहीं जाने के बाद वन विभाग अब तक दो बार ट्रैक्यूलाइज और मारने की परमिशन ले चुका है। गढ़वाल वन प्रभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बनाणी में भालू के हमले की पुष्टि की। बताया कि टीम भालू की खोजबीन में जुटी है। हालांकि भालू की कोई गतिविधि अभी तक दिखाई नहीं दी। जिस गांव में टीम गश्त कर रही है भालू उसे छोड़ दूसरे गांव में हमलावर हो रहा है।

गढ़वाली-कुमाऊनी सहित अन्य गीतों पर नृत्य प्रस्तुतियों ने किया मंत्रमुग्ध

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रजत जयंती के मौके पर राजकीय इंटर कॉलेज जयदेवपुर सिगड्डी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की गढ़वाली-कुमाऊंनी सहित अन्य गीतों पर दी गई प्रस्तुतियों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय परिसरस में आयोजित समारोह का शुभारंभ संस्कृत प्रवक्ता वेद प्रकाश धस्माना ने ध्वज रोहण कर किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने गढ़वाली-कुमाऊंनी सहित अन्य गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने राज्य स्थापना दिवस पर कविता पाठ भी किया।

छात्र ज्योति ने उत्तराखंड की गौरव गाथा नामक लेख का पाठ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने अपने संबोधन में कहा आज का दिन हमारे लिए केवल एक जयंती नही, बल्कि भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है। हम सभी को उत्तराखंड के विकास, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। संजय ध्यानी ने भी अपने विचार साझा करते हुए छात्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजित किया गया। इस मौके पर राजीव शर्मा, दीपक लखेड़ा, कल्पेश्वरी बलोधी, सुधा शर्मा, जगदीश कुमार, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के राजकीय इंटर कालेज जयदेवपुर सिगड्डी में प्रस्तुति देती छात्राएं

जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ी बालिकाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंणः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत अफसर बिटिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बेटियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह व बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में सर्व प्रथम विकास खण्ड समन्वयक अधिकारी ज्योति ठाकुर ने अपने जीवन की उपलब्धियों को बताते हुए छात्रों को भी आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया। तत्पश्चात युवा कल्याण विभाग की क्रीड़ा प्रशिक्षिका रोशनी रावत द्वारा शिक्षा के साथ खेल को भी अपने जीवन मे प्रयोग करने का सुझाव दिया। इसी श्रृंखला में वन विभाग से मधु ढौंडियाल ने उत्तर-खण्ड सरकार द्वारा विभिन्न पदों पर आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बंधित जानकारी दी` स्वास्थ्य विभाग से ममता जोशी ने स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने को कहा । इसी क्रम में पुलिस विभाग के अधिकारी अमित नेगी ने साइबर क्राइम के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह अपने संबोधन में कहा कि बिटिया ही जीवन प्रदान करती है। बिटिया के बिना जीवन अधूरा है। बिटिया समान अधिकार मांगती है और बराबर में रहना चाहती है यह भी कहा कि ‟पढ़ो लड़ने के लिए और लड़ो समाज को बदलने के लिए‟। इस कार्यक्रम का सफल संचालन हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बाल विकास विभाग द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शीर्षक ‟बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ‟ रहा। अंत में निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले समस्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा बाल विकास विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते लोग

उत्तराखंड आंदोलनकारियों को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः डॉ. बीजीआर परिसर पौड़ी में रविवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर निदेशक डा. यूसी गैरोला व अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ. गैरोला ने राज्य गठन में सभी वर्गों के योगदान को याद करते हुए युवाओं से विकास में भागीदारी का आह्वान किया। पूर्व निदेशक प्रो. पीपी बडोनी ने राज्य की विकास यात्रा पर चर्चा की, जबकि डा. सीबी. कोटनाला ने आंदोलन की स्मृतियां साझा कीं। डा. दिनेश पांडे ने गिर्दा की कविता ‟मेरी मातृभूमि‟ का वाचन किया। कार्यक्रम में प्रो. एससी गैरोला, डॉ. गौतम कुमार, डॉ. अतुल सैनी सहित कई शिक्षकों व छात्रों ने भाग लिया।

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में रुद्रप्रयाग ने जीते 18 गोल्ड

रुद्रप्रयाग। राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जनपद के छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में रुद्रप्रयाग का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में रुद्रप्रयाग ने कुल 36 पदक जीते हैं जिनमें 18 स्वर्ण, 1 रजत और 17 कांस्य पदक शामिल हैं। लगातार दूसरे वर्ष भी रुद्रप्रयाग ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। साथ ही अपनी काबलियत का प्रमाण दिया है। इधर, ओवरऑल चैंपियनशिप महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून के नाम रही। प्रतियोगिता में महक रावत ने तीन गोल्ड मेडल हासिल कर ओवरआल चैंपियन प्राप्त की। महक ने अंडर–19 आयु वर्ग में 200 दौड़ में गोल्ड, लम्बी कूद में गोल्ड व ट्रिपल जम्प में भी गोल्ड मेडल जीता। इसी आयु वर्ग में सृष्टि परिहार ने 400 मीटर दौड़ में ब्रोंज मैडल हासिल किया। जबकि आरजू ने 1500 मीटर दौड़ में प्रथम व 800 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया। टैमी ने तीन किलोमीटर दौड़ में तीसरा स्थान व गीता ने 100 मीटर हर्डल्स में तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। क्रॉस कंट्री स्पर्धा में रुद्रप्रयाग ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जिसमें रिया अंडोला, टैमी और आरजू की संयुक्त भूमिका रही। 3 किमी वॉक रेस में निशा स्वर्ण पदक के साथ अव्वल रहीं। सुहाना ने 200 और 400 मीटर में पहला स्थान तथा 600 मीटर में दूसरा स्थान हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा 100 मीटर दौड़ में गीता, गहना, महक और सृष्टि ने भी पदक जीतकर जिले के पदकों में इजाफा किया। जिला क्रीड़ा समन्वयक शिव सिंह नेगी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी व्यायाम शिक्षकों के प्रयास और खिलाड़ियों की मेहनत रंग ला रही है।

कोमल चंद्र को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः विश्वंभर दयाल मुनि विश्वकर्मी ट्रस्ट की ओर से पूर्व अध्यक्ष स्व.कांति प्रकाश आर्य की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम सभा बमोली के पूर्व ग्राम प्रधान कोमल चंद्र को विश्वंभर दयाल मुनि विश्वकर्मा स्मृति सम्मान दिया गया।

वक्ताओं ने स्वं. कांति प्रसाद आर्य को अनाथ व दिव्यांगों का सहारा बताया, कहा कि कांति प्रसाद आर्य जीवनपर्यंत बेसहारा बच्चों का सहयोग करते रहे। सर्वप्रथम अतिथियों ने स्व. कांति प्रकाश आर्य के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पार्षद सुखपाल शाह ने कहा कि स्व. कांति प्रसाद आर्य के पिता मुनि विश्वकर्मा ने जीवन के अंतिम पड़ाव में अपनी पदमपुर स्थित पुश्तैनी जमीन बेचकर निर्धन छात्रों को छात्रवृत्ति व अनाथ, दिव्यांगों, बेसहारों को सहारा देने के लिए अपनी निजी पूंजी से ट्रस्ट की स्थापना की। सुनीता बिष्ट ने कहा कि आर्य समाजी मुनि विश्वकर्मा महर्षि दयानंद सरस्वती के अनुयायी रहे। उन्हीं से प्रेरित होकर उन्होंने ट्रस्ट की स्थापना की, जिससे वर्तमान में बेसहारा छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। तत्पश्चात समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रखंड इस मौके पर पूर्व प्रधान पूरण चंद्र शर्मा, डा. सुरेंद्र लाल आर्य, लक्ष्मी देवी, बुद्धि प्रकाश, मंजू रावत, परसुराम, राजेंद्र प्रशाद शाह, नेत्रपाल रावत, प. धनबीर सिंह, कमलकुमार, सुरजीत सिंह, सुशीला देवी, कल्पना, पूनन देवी मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में कोमल को सम्मानित करते सदस्य

चंबा सीएचसी को उप जिला चिकित्सालय बनाने की मांग

नई टिहरी। नगर पालिका चंबा में सीएचसी की बदहाल सेवाओं व सीएचसी को उप जिला चिकित्सालय बनाने की मांग को लेकर श्रीदेव सुमन पार्क पर 12वें दिन भी धरना–प्रदर्शन जारी रहा। 12वें दिन नगर क्षेत्र के 50 से अधिक युवा एक साथ धरने पर बैठे। युवाओं ने कहा कि एक ओर राज्य स्थापना दिवस मनाया जा रहा है, तो 25 साल बीतने के बाद भी प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में आज भी स्वास्थ्य सेवायें बदहाल हैं। युवाओं को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पहाड़ के हर अस्पताल में विशेषज्ञ डाक्टरों का अभाव बना हुआ है। जिसके चलते अस्पताल मात्र रेफरल सेंटर बनकर रह गये हैं।

स्वयं सेवियों ने चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के मौके पर मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान भाषण प्रतियोगिता में सुजल व निबंध प्रतियोगिता में रिया देवरानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्तराखंड राज्य गठन के बारे में बताया। इसके उपरांत स्वयं सेवियों ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए जगह-जगह फैली गंदगी को एक जगह एकत्रित कर उसे नष्ट किया। साथ ही स्वयं सेवियों ने विद्यालय में पूर्व में लगाए गए पौधों की निराई-गुडाई भी की। विद्यालय के सहायक कार्यक्रम अधिकारी अरूण कुमार ने कहा कि स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सुजल ने प्रथम, सार्थक बड़ोला ने द्वितीय एवं आशीष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में रिया देवरानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान चलाते स्वयं सेवी

महिला मंगल दल व विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंणः उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती के अवसर पर विकासखंड थलीसैंण के सभागार में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला मंगल दल व विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड की प्रमुख सुनीता रावत ने किया। कार्यक्रम में विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायत के महिला मंगल दल एवं इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा संस्कृतिक प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड विशेष कर मातृ शक्ति के संघर्ष, आंदोलन एवं अनेक आंदोलनकारीयो के बलिदान होने पर अलग राज्य मिला है, इसमें प्रदेश के समस्त आंदोलनकारीयो एवं उनके साथ युवा शक्ति का एवं सभी उत्तराखंड वासियों का योगदान रहा है।

हमारा प्रदेश बने हुए आज 25 साल हो इन 25 सालों में प्रदेश कचमुखी विकास हुआ है, इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी टीकाराम कोटियालके द्वारा कहां गया कि हमें अपने प्रदेश की सांस्कृतिक सामाजिक मूल्य का संवर्धन कर इसकी विरासत को अक्षृण बनाए रखना है,

इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रमुख श्रीमती सुनीता रावत, खंड विकास अधिकारी टीकाराम कोटियाल ,क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दिनेश चौहान, प्रदीप वीरेंद्र मुकेश चौहान,ज्योति, रोशनी,सीमा, मंगल ,बीरबल, ग्राम प्रधान डूंगरी एवं कुचौली विकासखंड के समस्त कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे।

स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राइका कोटद्वार में भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गया। साथ ही 1994 के उत्तराखंड आंदोलन से संबंधित समाचार पत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई।

उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती के मौके पर आंदोलन के सूत्रधार एवं शिक्षक डा. पदमेश बुडाकोटी ने छात्र-छात्राओं को राज्य आंदोलन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। आंदोलनकारी व शिक्षक मुकेश रावत ने आंदोलन के विभिन्न संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य नागेंद्र सिंह चौहान, मनमोहन सिंह चौहान, संतोष सिंह नेगी, मनमोहन सिंह रौतेला आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शिक्षक संतोष सिंह नेगी ने वर्ष 1994 के उत्तराखंड आंदोलन से जुड़े समाचार पत्रों की प्रदर्शनी लगाई। छात्र- छात्राओं ने रंगारंग एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समा बांधा। इस अवसर पर राज्य की रजत जयंती समारोह के सिलसिले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के स्थान प्राप्त छात्र- छात्राओं को भी पुरुस्कृत किया गया। समारोह में विद्यालय की एसएमसी अध्यक्ष रेखा भट्ट, पीटीए सदस्य कृपाली रावत, निर्मला देवी व सुधीर डंगवाल के साथ ही बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित थे। समारोह का संचालन डा. पदमेश बुडाकोटी ने किया।

आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

संक्षिप्त समाचार

प्रिंसिपल पर देश का भविष्य बनाने की जिम्मेदारी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर गुरु रामदास इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में ऑल इंडिया प्रिंसिपल्स एसोसिएशन ने विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के प्रिंसिपलों का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। बदलते माहौल में उत्तराखंड और देश में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव विषय पर चर्चा सत्र का उद्घाटन संस्थान के वाइस चेयरमैन इंद्रजीत सिंह ओबेरॉय, प्रेसिडेंट डॉली ओबेरॉय, वाइस प्रेसिडेंट प्रभजी ओबेरॉय, डायरेक्टर जनरल डॉ. पंकज चौधरी, ऑल इंडिया प्रिंसिपल्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. नवदीप भारद्वाज, स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. अमित सहगल और दीपक प्रज्वलंकर ने किया। वाइस चेयरमैन इंद्रजीत सिंह ओबेरॉय ने कहा सभी प्रिंसिपल का साथ होना एक सुखद अनुभव है। सभी पर देश का भविष्य बनाने की ज़िम्मेदारी है। डायरेक्टर जनरल डॉ. पंकज चौधरी ने कहा प्रधानमंत्री के विकसित भारत का विजन पाने में सभी प्रिंसिपल्स की अहम भूमिका है। ऑल इंडिया प्रिंसिपल्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. नवदीप भारद्वाज ने कहा कि सभी प्रिंसिपल की जिम्मेदारी है कि यह बच्चों तक पहुंचे और उन्हें इसका फायदा मिले।

राज्य स्थापना दिवस पर पौधरोपण से दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर दून डिफेंस ड्रीमर्स में पौधरोपण किया गया। सहस्त्रधारा रोड स्थित जेके टॉवर कैंपस में छात्र, अभिभावक और स्टाफ ने मिलकर पौधे रोपकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। संस्थापक एवं सीईओ हरिओम चौधरी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि ही नहीं, हराभरा पर्वतीय राज्य भी है। अगर हम आज एकझ्एक पौधे लगाएंगे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और सुरक्षित भविष्य दे पाएंगे। दून डिफेंस ड्रीमर्स का हर विद्यार्थी केवल ऑफिसर बनने की तैयारी ही नहीं कर रहा, बल्कि एक जागरूक नागरिक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

रजत जयंती पर हुई काव्य गोष्ठी आयोजित

देहरादून। राज्य स्थापना की रजत जयंती पर उत्तराखंड साहित्य सम्मेलन और हिमालय विरासत न्यास की ओर से डालनवाला स्थित प्रीतम रोड में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में कवि/शायरों ने काव्य का खूब रंग जमाया। शुभारंभ मोनिका मंतशा की सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष मीरा नवेली ने पढ़ा कि 'ये ठौर बड़ा कम बचे, रुके बहाव अब चले, अंजलि भर मोरपंख वैराग्य देकर ही मिले..,अंबिका सिंह रूही ने पढ़ा कि 'सुनो अहले वतन मिलकर सभी फरियाद जंगल की, परिंदों को रुलाती रहती है अब याद जंगल की..'। परमवीर कौशिक ने 'लुटते हुए तो देखा लोगों को तीरगी में, तन्हा हमीं लुटे हैं भरपूर रौशनी में..' सुनाकर वाहवाही लूटी। वीरेन्द्र डंगवाल पार्थ ने 'सुबह वही है शाम वही है, कृष्ण वही है राम वही है.., नीलम पांडेय नील ने पढ़ा कि 'मेरी आपत्तियों पर, चुप्पियों की मुहर सजा दो प्रिय.. जीके पिपिल ने 'अपमान के ज़ख्मों में खून नहीं अश्क़ बहते हैं.., मोनिका मंतशा ने पहाड़ पर अपनी बात कहते हुए कहा कि 'कैसे कटते हैं ये दिन रात इन पहाड़ों पर, आओ मिलकर के करें बात इन पहाड़ों पर..',सुनाई। इसके अलावा नवीन आजम, महेंद्र प्रकाशी, दीपक अरोड़ा, नरेंद्र उनियाल, अरविंद शाह, शिवमोहन सिंह, डॉ नीलम प्रभा वर्मा, नरेंद्र शर्मा अमन, सुभाष चंद वर्मा, संगीता शाह, सुलोचना परमार, अरविंद साह, विजयश्री वंदिता, पूनम नैथानी आदि ने भी काव्य पाठ किया। अध्यक्षता मीरा नवेली और संचालन साहित्य सम्मेलन के महामंत्री वीरेंद्र डंगवाल पार्थ ने किया।

प्रधानमंत्री के स्प्रिचुअल कैपिटल ऑफ वर्ल्ड के विजन को साकार करेगी सरकारः महाराज

देहरादून। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्प्रिचुअल कैपिटल ऑफ वर्ल्ड के विजन को सरकार साकार करेगी। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने साबित किया है कि उनका उत्तराखंड से विशेष लगाव है और वो हमेशा रहेगा। इसी लगाव का परिणाम है कि उत्तराखंड की 25 वर्षों की विकास यात्रा के महापर्व पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर आशीर्वाद दिया गया।

महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब-जब उत्तराखंड के दौरे पर आए हैं, तब उन्होंने प्रदेश को कई विकास योजनाओं की सौगातें दी हैं। पिछले 25 वर्षों के कालखंड में उत्तराखंड में सबसे अधिक विकास कार्य प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही हुए हैं।

चाकीसैंण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंणः उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती पर अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैंण में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य रघुवीर सिंह रावत एवम समस्त शिक्षिकाओं के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। सरस्वती वंदना एवम उत्तराखंड राज्य गीत उत्तराखंड देव भूमि मातृ भूमि से कार्यक्रम की आधिकारिक शुरुआत के साथ उत्तराखंड के पारंपरिक परिधानों में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ढोल दमाऊ की थाप पर थिरकते बच्चे एवम समस्त स्टाफ रहा। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा से सबको अचंभित कर दिया। गढ़ भोज कार्यक्रम में उत्तराखंड के पारंपरिक पकवानों की प्रदर्शनी लगाई गई,जिसका स्वाद सभी अध्यापकों सहित निर्णायक मंडल ने लिया। अंत में प्रधानाचार्य,एसएमसी अध्यक्षा सुनीता देवी एवम पीटीए अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह नेगी द्वारा छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर कमलेश कुकरेती, सूर्यकांत ममगाईं,आरती बिष्ट, विनय पोखरियाल सहित वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन चंद्र प्रकाश भेटवाल द्वारा किया गया। अंत मे प्रधानाचार्य द्वारा अपने सम्बोधन मे कहा कि हमें अपनी संस्कृति को बचाये रखना है। अपने पारम्परिक खान पान पहनावे को जीवित रखना है।

राज्य स्थापना दिवस पर स्कूलों ने निकाली प्रभात फेरी

नई टिहरी। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन टिहरी के सहयोग से जिला मुख्यालय के स्कूलों ने प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सभी छात्रों को मिष्ठान वितरण भी किया गया। इस मौके पर सांई चौक में जनपद के शहीद उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। प्रभात फेरी का आयोजन गणेश चौक से गीता भवन बौराड़ी तक किया गया। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति एवं उत्तराखंड के शहीदों के जयकारों के नारे लगाते हुए उत्साह एवं उमंग के साथ प्रभात फेरी में प्रतिभाग किया। इस दौरान डीएम नितिका खंडेलवाल, सीडीओ वरूणा अग्रवाल, नगर पालिका परिषद टिहरी के अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल, डीडीओ जिला विकास मोहम्मद असलम, सीईओ वीपी सिंह, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्रायें व अध्यापकगण मौजूद रहे।

घनसाली में स्वास्थ्य सेवा की बहाली को टावर पर चढ़े आंदोलनकारी

नई टिहरी। घनसाली क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बीच रविवार को जनता का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। आंदोलनकारी स्वास्थ्य जन संघर्ष मोर्चा घनसाली के विक्रम घणाता और अजय कंसवाल पिलखी में मोबाइल टावर पर चढ़ गए। दोनों ने क्षेत्र के अस्पतालों में डॉक्टरों की स्थायी तैनाती, एम्बुलेंस सुविधा और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित न होने तक टावर से नीचे न उतरने की चेतावनी दी। रविवार को राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के मौके पर जहां पूरा प्रदेश उत्सव मना रहा है, वहीं घनसाली में स्वास्थ्य सेवाओं की मांग को लेकर जनता सड़कों पर उतर आई। बीते एक पखवाड़े से पीएचसी पिलखी में चल रहे आंदोलन ने नाटकीय रूप ले लिया। जहां आंदोलनकारी विक्रम घणाता और अजय कंसवाल पिलखी में मोबाइल टावर पर चढ़ गए, वहीं जिपंस अनुज शाह, पुरुषोत्तम और संजय ने प्रतीकात्मक जलसमाधि लेने की कोशिश की। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें समझाकर रोका। वहीं दूसरी ओर सर्वदलीय स्वास्थ्य संघर्ष समिति द्वारा घनसाली बाजार में मुख्यमंत्री और विधायक के पुतला दहन कार्यक्रम की घोषणा की गई थी, लेकिन पुलिस ने कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही पूर्व विधायक भीम लाल आर्य, कैलाश बडोनी, जसवीर नेगी, शूरवीर लाल और प्रताप सजवाण को हिरासत में ले लिया। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही उनके समर्थकों ने कोतवाली परिसर में जोरदार हंगामा किया।

राज्य आंदोलनकारियों के नाम पर बने गेट ध्वस्त करने पर रोष

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीयंत्र टापू कांड के शहीदों की स्मृति में बना हुआ शक्ति विहार के गेट को हटाए जाने को लेकर रविवार को राज्य आंदोलनकारियों ने उपजिलाधिकारी श्रीनगर को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में राज्य आंदोलनकारी पीवी डोभाल, देवेंद्र फर्स्वाण, प्रभाकर बाबुलकर, राजेंद्र रावत, डॉ. मुकेश सेमवाल, सुखदेव पंत, अरूण नेगी, अनिल दत्त तिवाड़ी ने कहा कि उत्तराखंड आज अपनी 25वीं रजत जयंती मना रहा है, जिसमें उत्तराखंड आंदोलन के मुजफ्फरनगर, खटीमा, मसूरी और श्रीयंत्र टापू के शहीदों को सम्मान पूर्वक याद किया जाता है। कहा कि पूर्व में श्रीयंत्र टापू के शहीद यशोधर बेंजवाल और राजेश रावत की स्मृति में राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे शक्ति विहार कॉलोनी में जाने के रास्ते पर एक भव्य प्रवेश द्वार एवं पार्क का निर्माण किया गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति में गेट को ध्वस्त कर दिया गया है, जो कि राज्य आंदोलनकारियों का घोर अपमान है।साथ ही जनता व राज्य आंदोलनकारी स्वयं को बहुत आहत एवं अपमानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने पूरे मामले की जांच करते हुए दोषियों पर उचित कार्यवाही किए जाने और ध्वस्त प्रवेश द्वार का पुनर्निर्माण करवाए जाने की मांग की है।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार उदासीनः रामदेव कलूड़ा

नई टिहरी। प्रतापनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौण्ड में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने सहित 11 सूत्रीय मांग को लेकर स्थानीय धरना चौथे दिन भी जारी रहा। इस मौके पर यूकेडी कार्यकर्ताओं ने राज्य स्थापना दिवस के मौके पर राज्य निर्माण में शहीद हुए आंदोलनकारियों को याद किया। सीएचसी चौण्ड में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चल रहा धरना प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। उत्तराखंड क्रांति दल ने शासन-प्रशासन के पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि, सरकार उदासीन रवैया अपनाए हुए है। यूकेडी जिलाध्यक्ष रामदेव कलूडा ने कहा कि, हमारे राज्य आंदोलनकरियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर जिस उद्देश्य से हमें अलग राज्य दिलवाया,उस पर आज तक की सरकारें खरी नहीं उतर पाई है। राज्य निर्माण का उद्देश्य अभी भी अधूरा है। उन्होंने प्रतापनगर क्षेत्र में विशेषज्ञ चिकित्सक, एक्स-रे टेक्निशियन, आपालकालीन संसाधन उपलब्ध कराने, डोबरा में प्रस्तावित अस्पताल शीघ्र बनाने सहित अन्य मांगों पर जल्द से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की है। धनीराम सेमवाल, विजय ब्यास, सोदन कुड़ियाल, अमन व्यास, जयशंकर, भरत चंद रमोला , सूरज चंद रमोला, राकेश असवाल आदि शामिल रहे।

स्थापना दिवस पर राज्य की प्रगति और संभावनाओं पर मंथन

नई टिहरी। राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग में प्राचार्य डॉ नर्वदेश्वर शुक्ल की अध्यक्षता में राज्य स्थापना का रजत जयंती समारोह धूम-धाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि नगरपालिका सभासद राहुल कोटियाल रहे।

कार्यक्रम मां शारदे के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। प्राध्यापक डॉ ओम प्रकाश ने राज्य स्थापना के लिए हुए प्रयासों की चर्चा कर कहा कि राज्य के गठन से लेकर 25 वर्ष तक की यात्रा के दौरान राज्य की स्थिति, औद्योगिक विकास ,रोजगार, परिवहन व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण आदि क्षेत्रों में सार्थक प्रयास किए हैं। डॉ.अमित कुमार ने राज्य की उपलब्धियों एवं भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। प्राध्यापिका डॉ. सृजना राणा ने राज्य स्थापना में जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा अभी नीति नियामकों को स्वास्थ्य, पलायन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान देते हुए निमार्ण करने की आवश्यकता है। डॉ मनोज कुमार ने उत्तराखंड शब्द की उत्पत्ति एवं राज्य गठन की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रतिनिधि आर्यनदीप एवं छात्र संघ अध्यक्ष सुमित ने भी उत्तराखण्ड राज्य निर्माण की पृष्ठभूमि पर अपनी बात रखी। एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः तुषार, तानिया एवं सुखदेव ने प्राप्त किया। सामूहिक गायन में कंचन, कोमल एवं कृतिका को पुरस्कृत किया गया। एकल नृत्य में पूजा एवं विशिष्ट प्रस्तुति में ईशा ने पुरस्कार प्राप्त किया।

पीएम मोदी को ज्ञापन देने जा रहे सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं को रोका

देहरादून। गैरसैंण स्थायी राजधानी की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन देने जा रहे सुराज सेवा दल के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय के बाहर ही रोक लिया। इससे खफा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कुछ देर के लिए सड़क पर धरना दिया। सुराज दल के कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी के नेतृत्व में प्रदेश कार्यालय से पार्टी के झंडे लेकर एफआरआई कार्यक्रम के स्थल के लिए निकले। जैसे ही बाहर सड़क पर आए, पुलिस ने उनको रोक दिया। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ नोकझोंक हुई। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने कुछ देर के लिए सड़क पर ही धरना देकर नारेबाजी की।

प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी ने कहा कि भाजपा हो या कांग्रेस दोनों राष्ट्रीय पार्टियां राज्य की हितैषी नहीं है। 25 साल में भी उत्तराखंड की स्थायी राजधानी नहीं मिल पाई। दोनों दल विपक्ष में रहते हुए गैरसैंण को मुद्दा बनाते हैं, सत्ता पाते ही भूल जाते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा। यदि जल्द गैरसैंण को स्थायी राजधानी नहीं बनाया जाता है तो दल प्रदेश की जनता के साथ सड़क पर उतरेगा।

ईट राइट यूथ हैकथॉन इनोवेशन चैलेंज का शुभारंभ

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने रविवार को यमुना कालोनी आवास"ईट राइट यूथ हैकथॉन झ इनोवेशन चैलेंज" का शुभारंभ किया। कहा कि यह आयोजन युवाओं में नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने, सही खानपान की संस्कृति विकसित करने के साथ ही सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम पहल है। कहा कि हैकथॉन का उद्देश्य राज्य के युवाओं में सही खाओ, स्वस्थ खाओ, टिकाऊखाओ की अवधारणा को सशक्त बनाना है। उत्तराखंड के सरकारी, निजी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, चिकित्सा एवं तकनीकी संस्थानों के छात्र-छात्राएं इसमें भाग लेकर "ईट राइट" विषय पर अपने नए विचार और समाधान भी प्रस्तुत करेंगे। कहा कि राज्य में हाल के वर्षों में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां जैसे मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मानसिक तनाव और हृदय रोगों में तेजी से इजाफा हुआ है। इस चुनौती से युवा वर्ग विशेष रूप से प्रभावित हो रहा है। "ईट राइट इनोवेशन चैलेंज" युवाओं के लिए एक अवसर है कि वे राज्य की खाद्य प्रणाली को और अधिक स्वस्थ, सुरक्षित एवं टिकाऊ बनाने को नए समाधान प्रस्तुत करें। राज्य के युवाओं में जीवनशैली पर आधारित बीमारियों का होना चिंता का विषय है।

यदि हम अपने भोजन की गुणवत्ता, पोषण और खानपान की आदतों में सुधार लाएं, तो इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। कहा कि हैकथॉन में प्रतिभागियों को अपने विचार प्रस्तुत करने, मॉडल विकसित करने, डिजिटल, सामाजिक और व्यवहारिक नवाचारों के माध्यम से "ईट राइट" अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पीएम से मिलने जा रहे उक्रांद कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

देहरादून। राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रदेश की समस्याओं को लेकर ज्ञापन देने जा रहे उक्रांद कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। आरोप है कि पार्टी की केंद्रीय महामंत्री किरण रावत को पुलिस ने उनके घर पर ही नजरबंद कर दिया। उक्रांद कार्यकाती रविवार सुबह केंद्रीय कार्यालय में एकत्रित हुए। यहां से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में जाने के लिए निकले ही थे कि पुलिस ने द्रोण चौक पर उन्हें रोक दिया। कार्यकर्ताओं को आगे नहीं जाने दिया गया। दल के महानगर अध्यक्ष परवीन चंद रमोला ने कहा कि 25 वर्षों में उत्तराखंड राज्य ने क्या पाया यह आज सबसे बड़ा प्रश्न है। इन 25 वर्षों में यदि हम पीछे देखे तो राज्य की मूल भूत समस्याएं आज भी बदहाल है। दल के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष पुष्पेश त्रिपाठी ने कहा कि इन 25 वर्षों में राष्ट्रीय दलों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पलायन, स्थाई राजधानी गैरसैंण हो या प्रदेश की परिसंपत्तियों का बंटवारा इन पर आज तक कोई कार्य नहीं किया। दल के केंद्रीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय ने कहा कि आज चाहे सरकार राज्य के 25 वर्ष को रजत जयंती रूप में मना रही हो, लेकिन आज भी मूल निवास और भू कानून को लेकर सरकार राज्य वासियों को गुमराह कर रही है। पुलिस ने इस दौरान उन्हें आगे नहीं जाने दिया तो उन्होंने प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा।

25 सालों में भी तेजी से नहीं हुआ राज्य का विकासः राजकुमार

देहरादून। उत्तराखंड की रजत जयंती पर कांग्रेसियों ने कचहरी परिसर स्थित शहीद स्मारक में शहीद आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ने प्रदेश सरकार से शहीदों के सपनों का उत्तराखंड बनाने की मांग की।

पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि आज ग्रीष्मकालीन राजधानी से विकास कार्य ठप है। गैरसैंण को गैर कर उपेक्षा की जा रही है। आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार तेजी से बढ़ते पलायन पर रोक नहीं लगा पाई। सरकार को संकल्पबद्ध होकर शहीदों की भावनाओं के अनुरूप राज्य को बनाना चाहिए। 25 सालों में राज्य को जिस तेजी से प्रगति करनी थी वो नहीं हो पाई, बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है।

उत्तराखंड ग्राम विकास अधिकारी एसोसियेशन टिहरी का हुआ द्विवार्षिक अधिवेशन

नई टिहरी। उत्तराखंड ग्राम विकास अधिकारी एसोसियेशन टिहरी का द्विवार्षिक अधिवेशन विकास भवन के क्रीड़ा भवन में आयोजित किया गया। अधिवेशन का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि सीडीओ वरुणा अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि जिला विकास अधिकारी मोहम्मद असलम ने दीप प्रज्वलन कर शुरू किया। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारियों ने सीडीओ से मनरेगा एवं अन्य आन लाइन कामों के लिए लैपटाप एवं कंटीजेंसी के साथ ही सुगम व दुर्गम निर्धारण क्षेत्रों के आधार पर करने की मांग की। जिले के सभी ब्लाकों में मनरेगा की एकरूपता की भी मांग की। इस मौके पर सहायक खण्ड विकास अधिकारी पूरण सिंह पयाल और विनय बहुगुणा ने नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न करवाया। जिसमें सर्वसम्मति के आधार पर अध्यक्ष पद पर सुनील कलेठा, महामंत्री पद पर आशीष जोशी, कोषाध्यक्ष पद पर दीपक कोठियाल को चुना गया। जबकि संप्रेक्षक हरदेव राणा, प्रांतीय प्रतिनिधि भानू प्रकाश थपलियाल, महिला उपाध्यक्ष भावना आर्य को चुना गया।

मसूरी में स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को नवाजा

देहरादून। उत्तराखंड पर्यटन एवं तीर्थाटन संरक्षण समिति की ओर से शहीद स्थल पर राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा, पत्रकारिता, योगा, मजदूर, किसानों के लिए कार्य करने पर्यटन तीर्थाटन, संस्कृति राज्य आंदोलनकारी व समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। शहीद स्थल में विभिन्न सांस्कृतिक दलों व विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर बद्री केदार महिला समूह मसूरी हेमंवनत महिला समूह द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वालों को सम्मानित किया।

उन्होंने राज्य निर्माण में शहादत देने वाले आंदोलनकारियों को नमन किया । यह खुशी का अवसर है लेकिन यह भी सोचने व चिंतन का भी समय है कि इन पच्चीस सालों में क्या पाया व क्या खोया है। जब राज्य बना तो बड़ी उम्मीदें थीं जल जंगल जमीन का हक मिलेगा, बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा, खेत खलिहान हमारे होंगे लेकिन ऐसा कुछ भी 25 सालों में नहीं मिला। केवल पंडित नारायण दत्त तिवारी ने ही राज्य के विकास के लिए कार्य किया। धराली में आपदा में आज तक पता नहीं कितनों की मौत हुई व कितना नुकसान हुआ। कहा कि शहीदों के सपने पूरे नहीं हुए। हरीश रावत की सरकार ने पलायन रोकने का प्रयास किया। कहा कि जो पहाड़ के लोग मैदानी क्षेत्र में बस रहे हैं लेकिन 25 साल बाद भी पहाड़ मैदान की लड़ाई चल रही है। आपदाओं से बचने का कोई प्रयास नहीं किया गया। कहा कि बेटियों की सुरक्षा की बात होगी, हर रोज तीन बच्चे गायब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पच्चीस सालों में भ्रष्टाचार बढ़ा है।संस्कृति विभाग से भी कोई सांस्कृतिक दल नहीं भेजाः थापली कांग्रेस प्रदेश महामंत्री गोदावरी थापली ने राज्य वासियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि यह समय है कि कांग्रेस के दस व भाजपा के 15 सालों की तुलना की जाय तो पता चल जायेगा कि किसने क्या किया।

वार्षिक खेल समारोह में बच्चों के साथ माताओं ने किया प्रतिभाग

देहरादून। एस्पिन एकेडमी में आयोजित वार्षिक खेल समारोह में मेंढक दौड़ में प्रथम स्थान साहित्य ने और द्वितीय स्थान आदर्श ने प्राप्त किया। रविवार को एस्पिन एकेडमी में वार्षिक खेल समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशिका अंजली पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत या हार का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह क्षमताओं जैसे अनुशासन, नेतृत्व, सहयोग, दृढ़ता और निर्णय कौशल को विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन हैं। यही गुण बच्चों को जीवन की वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। इस दौरान नींबू दौड़ में प्रथम स्थान साहित्य, द्वितीय स्थान अनाइका, बॉल बैलेंसिंग में प्रथम स्थान ऋषभ एवं द्वितीय स्थान यशवी, पिक द बॉल में प्रथम स्थान अव्यान, जिगजैग रेस में प्रथम स्थान आश्वी ,द्वितीय स्थान पार्थ ने पाया। पास द बॉल में प्रथम स्थान आरभ सकलानी, हर्डल रेस में प्रथम स्थान रूद्राक्ष, द्वितीय स्थान मानवेंद्र और तृतीय स्थान पर दिव्यांशी रहीं। कुछ प्रतियोगिताओं में बच्चों के साथ ही उनकी मां ने भी भाग लिया। इस अवसर पर प्राचार्या रुचि चमोली ने बच्चों को पुरस्कृत किया।

उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी संघ ने उपेक्षा पर जताया रोष

देहरादून। उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन उत्तराखंड की ओर से आयोजित गोष्ठी में आंदोलनकारी कर्मचारी संगठनों के किसी भी पदाधिकारी को सम्मानित नहीं करने पर निराशा व्यक्त की गई। राज्य की 25 वीं रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में रविवार को उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन उत्तराखंड ने तहसील स्थित संघ भवन में 25 वर्षों में क्या खाया क्या पाया के संदर्भ में गोष्ठी का आयोजन किया। अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सोहन सिंह रावत, प्रदेश महामंत्री अशोक राज उनियाल और मुख्य वक्ता प्रदेश संरक्षक पंचम सिंह बिष्ट ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य की 25 वीं रजत जयंती वर्ष में किसी भी जनपद में आंदोलनकारी कर्मचारी संगठनों, उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी संगठन के किसी भी पदाधिकारी को सम्मानित नहीं किया गया, न ही किसी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। जबकि उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संघ के बहुत से पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को राज्य आंदोलनकारी का प्रमाण पत्र भी जारी है। 1994 में जब सारे राजनेता थक चुके थे, तो उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन ने पूरे प्रदेश में आंदोलन को जिंदा रखा। उस आंदोलन में 94 दिन की ऐतिहासिक हड़ताल करके भारत सरकार के गृह मंत्रालय से वार्ता की गई। पंचम सिंह बिष्ट ने कहा कि 25 साल में बहुत कुछ विकास भी हुआ है परंतु हमने खोया भी बहुत कुछ है।

जयन्त

संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338